

Inhalt

Vorwort

| | |
|-----------------------------------|------------|
| Abendbläue | 7 |
| Zweifel | 9 |
| Der lange Weg der Erkenntnis..... | 14 |
| Die Boten des Todes..... | 17 |
| Schleichendes Gift | 23 |
| Die dialektische Waage | 25 |
| Der Rubikon | 30 |
| Die Stunde Null | 36 |
| Das absichtsvolle Nichts..... | 39 |
| Verdunkelung | 47 |
| Verdurstung | 50 |
| Die Zahl | 58 |
| Das Symbol | 60 |
| Das Geheimnis von Wurzel 2 | 66 |
| Die Idee | 67 |
| Idealisten und Rationalisten..... | 71 |
| Von der Menschenwürde..... | 72 |
| Gute Menschen..... | 83 |
| Zwischenruf..... | 84 |
| Der Liberalismus..... | 85 |
| Der Westen | 94 |
| Entpflichtung | 103 |
| Kleidung | 107 |
| Die Uniform | 109 |
| Von der Betonung..... | 111 |
| Von der Sprache | 114 |
| Deutungen..... | 118 |
| Schuld und Unschuld..... | 131 |
| Zwischenruf..... | 133 |
| Geschichtsdenken | 136 |

| | |
|---|------------|
| Deutscher Glaube | 138 |
| Recht und Pflicht | 140 |
| Recht und Macht | 142 |
| Das Gesetz | 149 |
| Die Justiz | 152 |
| Von der Strafe | 154 |
| Der Erziehungsgedanke im Strafrecht | 161 |
| Zwischenruf | 163 |
| Gerechtigkeit | 166 |
| Die Nation | 167 |
| Der Staat | 170 |
| Die Gerechtigkeit der Geschichte | 173 |
| Von der Feigheit | 176 |
| Die Lüge | 179 |
| Das Kapital | 183 |
| Zwischenruf | 193 |
| Der Bodensatz | 196 |
| Der Archetypus | 196 |
| Der Politiker | 199 |
| Der Demopath | 206 |
| Der Bürgerling | 212 |
| Der konservative Sackgäßling | 216 |
| Zwischenruf | 226 |
| Der Kapitulant | 229 |
| Der Resignant | 235 |
| Der innere Metternich | 237 |
| Der Nutznießer | 242 |
| Die Erwählten | 245 |
| Der Fremde | 250 |
| Zwischenruf | 259 |
| Der Antifaschist | 261 |
| Der Soldat | 265 |
| Der Revolutionär | 268 |
| Das Christentum | 276 |

XV

| | |
|--------------------------------|------------|
| Die Farbe Schwarz | 284 |
| Hohes Licht | 285 |

Nachwort